

अध्याय - 8 | विविधता में एकता

QUIZ
PART-04

1. भारत के कई जनजातीय समुदायों में किसका अपना संस्करण पाया जाता है?

- A. वेद और उपनिषद
B. रामायण और महाभारत
C. जातक कथाएँ
D. पुराण (B)

व्याख्या: स्लाइड में बताया गया है कि अनेक जनजातीय समुदायों के पास रामायण और महाभारत के अपने-अपने संस्करण हैं।

2. जनजातीय संस्करण मुख्य रूप से किस रूप में संरक्षित रहे हैं?

- A. लिखित ग्रंथों में
B. मंदिरों में
C. मौखिक परंपरा और किवंदंतियों में
D. पाषाण लेखों में (C)

व्याख्या: ये संस्करण मौखिक परंपरा के द्वारा और इनके साथ जुड़ी किवंदंतियों के माध्यम से प्रसारित हुए हैं।

3. किन क्षेत्रों की जनजातियों में दोनों महाकाव्यों के अपने संस्करण मिलते हैं?

- A. केवल दक्षिण भारत
B. केवल राजस्थान
C. पूर्वोत्तर और हिमालयी क्षेत्र
D. गुजरात और महाराष्ट्र (C)

व्याख्या: पूर्वोत्तर भारत और हिमालयी क्षेत्रों (कश्मीर सहित) की अनेक जनजातियों के पास महाकाव्यों के अपने संस्करण हैं।

4. किस जनजातीय समूह का उल्लेख उदाहरण के रूप में किया गया है?

- A. संथाल
B. भील, गोंड और मुण्डा
C. नागा
D. मीणा (B)

व्याख्या: स्लाइड में भील, गोंड और मुण्डा समुदायों का उल्लेख महाकाव्यों के जनजातीय संस्करणों के उदाहरण के रूप में किया गया है।

5. किवंदंतियों के अनुसार भारत में किसने लगभग पूरे देश की यात्रा की है?

- A. राजा अशोक
B. रावण
C. पांडव
D. बुद्ध (C)

व्याख्या: के. एस. सिंह के अनुसार लोककथाओं में कहा गया है कि भारत में शायद ही कोई स्थान हो जहाँ पांडव न गए हों।

6. जनजातीय महाकाव्य संस्करण किस बात को दर्शाते हैं?

- A. जनजातियों का अलगाव
B. प्रकृति पूजा का अंत
C. दो महाकाव्यों की व्यापक सांस्कृतिक पहुँच
D. महाकाव्य अब अप्रासंगिक हैं (C)

व्याख्या: यह दर्शाता है कि महाकाव्यों ने सदियों से भारत और एशिया के अनेक हिस्सों में सांस्कृतिक ताने-बाने को प्रभावित किया है।

7. भारतीय संस्कृति विविधता को किस रूप में देखती है?

- A. कमजोरी
B. विभाजन
C. समृद्धि
D. बाधा (C)

व्याख्या: प्रस्तुति में कहा गया है कि भारतीय संस्कृति विविधता को समृद्धि के रूप में मनाती है।

8. भारतीय संस्कृति विविधता के भीतर किस चीज़ को बनाए रखती है?

- A. सामाजिक भेदभाव
B. कठोर नियम
C. अंतर्निहित एकता
D. राजनीतिक नियंत्रण (C)

व्याख्या: भारतीय संस्कृति विविधता को पोषित करने वाली अंतर्निहित एकता को बनाए रखती है।

9. "हे ईश्वर! मेरी यह प्रार्थना स्वीकार करें कि मैं अनेकता में एकता का आनंद कभी न गंवाँ सकूँ"—यह कथन किसका है?

- A. महात्मा गांधी
B. के. एस. सिंह
C. रवीन्द्रनाथ टैगोर
D. दयानंद सरस्वती (C)

व्याख्या: यह प्रसिद्ध पंक्ति रवीन्द्रनाथ टैगोर की है।

10. "एक में अनेक का भाव भारत को उसकी स्वाभाविक नींव पर स्थापित करेगा"—यह कथन किसका है?

- A. महात्मा गांधी
B. श्री अरविंदो
C. सुभाष चंद्र बोस
D. जवाहरलाल नेहरू (B)

व्याख्या: यह विचार श्री अरविंदो द्वारा व्यक्त किया गया है।